भारत सरकार
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2891

उत्तर देने की तारीख 12.12.2024

असम और त्रिपुरा में महिला केंद्रित उद्यम

2891. श्री कामाख्या प्रसाद तासा:

श्री बिप्लब कुमार देब:

क्या सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) असम और त्रिपुरा में महिलाओं के स्वामित्व वाले और महिला केंद्रित उद्यमों के लिए सरकार के कार्यक्रमों/योजनाओं का ब्यौरा क्या है;
- (ख) उक्त कार्यक्रमों/योजनाओं के अंतर्गत असम सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार कितने लाभार्थी हैं;
- (ग) उक्त कार्यक्रमों/योजनाओं के लिए ऐसे उद्यमों के चयन के मानदंड क्या हैं; और
- (घ) विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान उक्त कार्यक्रमों/योजनाओं से असम और त्रिपुरा सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार कितने लाभार्थी लाभान्वित हुए हैं?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री
(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क): एमएसएमई मंत्रालय, असम और त्रिपुरा सहित, देश के सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में महिलाओं सहित उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कई स्कीमों का कार्यान्वयन करता है। मंत्रालय का प्रमुख कार्यक्रम 'प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी)' उद्यमियों को गैर-कृषि क्षेत्र में नए उद्यम स्थापित करने के लिए सहायता प्रदान करता है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में परियोजना लागत का 25% और शहरी क्षेत्रों में 15% (विनिर्माण क्षेत्र में अधिकतम परियोजना लागत 50 लाख रुपये और सेवा क्षेत्र में 20 लाख रुपये है) मार्जिन मनी सब्सिडी प्रदान करके परंपरागत कारीगरों / ग्रामीण और शहरी बेरोजगार युवाओं को उनके स्थान पर रोजगार के अवसर प्रदान करना है। तथापि, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक एवं महिला, पूर्व सैनिक, दिव्यांग, ट्रांसजेंडर, पूर्वोत्तर एवं पहाड़ी तथा सीमावर्ती क्षेत्रों तथा आकांक्षी जिलों जैसी श्रेणियों के लाभार्थियों के लिए अधिक मार्जिन मनी सब्सिडी ग्रामीण क्षेत्रों में 35% तथा शहरी क्षेत्रों में 25% है।

एमएसएमई मंत्रालय सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए ऋण गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) के माध्यम से सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम का भी कार्यान्वयन करता है। ऋण गारंटी, सभी पात्र गतिविधियों हेतु सदस्य ऋणदाता संस्थानों को उनके द्वारा एमएसई को दी जाने वाली ऋण सुविधाओं के लिए, बिना किसी संपार्श्विक प्रतिभूति और तीसरे पक्ष की गारंटी के प्रदान की जाती है। एमएसएमई सतत (जेड) प्रमाणन स्कीम, एमएसएमई को नवीनतम प्रौद्योगिकी, उपकरणों का उपयोग करके गुणवत्ता वाले उत्पादों का निर्माण करने और पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव के साथ उच्च गुणवत्ता और उच्च उत्पादकता प्राप्त करने के लिए अपनी प्रक्रियाओं को लगातार उन्नत करने में सक्षम बनाती है। महिला स्वामित्व वाले एमएसएमई के लिए, प्रमाणन के सभी स्तरों पर प्रमाणन की लागत पर 100% सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। मंत्रालय, महिला कयर योजना (एमसीवाई) का कार्यान्वयन भी करता है, जिसमें कयर और कयर उत्पादों के निर्माण में ग्रामीण महिला कारीगरों को स्व-रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से महिला कारीगरों को प्रशिक्षण देने की परिकल्पना की गई है। एमसीवाई के अंतर्गत दो महीने का प्रशिक्षण कार्यक्रम, वजीफा प्रकृति का है।

: 2 :

(ख): इन कार्यक्रमों के अंतर्गत लाभार्थियों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या अनुबंध-I में दी गई है।

(ग): प्रत्येक स्कीम के लिए लाभार्थियों के चयन के मानदंड अलग-अलग हैं, और यह प्रत्येक स्कीम के दिशा-निर्देशों के अनुसार है। स्कीमों का विवरण <https://msme.gov.in> पर उपलब्ध है।

(घ): विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के लिए इन कार्यक्रमों के अंतर्गत लाभार्थियों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या अनुबंध-I में दी गई है।

दिनांक 12.12.2024 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 2891 के भाग (ख) और (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

क. वित्तीय वर्ष 2021-22 से वित्तीय वर्ष 2024-25* (दिनांक 09.12.2024 की स्थिति के अनुसार) तक के दौरान पीएमईजीपी के अंतर्गत महिला उद्यमियों द्वारा स्थापित इकाइयों की राज्य-वार संख्या निम्नानुसार है:

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
1	आंध्र प्रदेश	1,320	1,716	3,457	3
2	कर्नाटक	1,940	1,888	1,654	1,142
3	केरल	1,092	1,257	1,396	35
4	लक्षद्वीप	1	1	-	479
5	पुदुचेरी	24	13	16	674
6	तमिलनाडु	2,857	2,856	3,285	-
7	तेलंगाना	1,111	953	967	276
8	चंडीगढ़	11	10	7	11
9	दिल्ली	45	30	27	13
10	हरियाणा	692	626	638	721
11	हिमाचल प्रदेश	472	352	344	206
12	जम्मू कश्मीर	8,520	5,035	7,082	126
13	लद्दाख	82	28	35	981
14	पंजाब	818	759	725	63
15	राजस्थान	670	596	567	452
16	छत्तीसगढ़	848	703	662	384
17	मध्य प्रदेश	2,385	1,813	1,690	11
18	उत्तर प्रदेश	3,712	3,549	3,733	-
19	उत्तराखंड	489	484	377	404
20	अंडमान और निकोबार	43	24	12	411
21	बिहार	838	1,335	2,303	149
22	झारखंड	502	613	671	153
23	ओडिशा	1,874	1,757	1,430	105
24	पश्चिम बंगाल	1,073	928	966	256
25	गोवा	43	36	38	352
26	गुजरात	2,630	1,821	1,821	9
27	महाराष्ट्र	1,712	1,523	1,150	318
28	अरुणाचल प्रदेश	84	70	78	179
29	असम	1,272	907	761	31
30	मणिपुर	552	244	153	758
31	मेघालय	283	121	103	351
32	मिजोरम	333	195	194	92
33	नागालैंड	535	196	244	1,167
34	सिक्किम	33	22	68	134
35	त्रिपुरा	260	165	152	257
समग्र योग		39,156	32,626	36,806	10,703

ख. वित्तीय वर्ष 2021-22 से वित्तीय वर्ष 2024-25* (दिनांक 30.11.2024 की स्थिति के अनुसार) तक के दौरान सीजीटीएमएसई गारंटी का लाभ उठाने वाली महिला उद्यमियों की राज्य-वार संख्या निम्नानुसार है:

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	66	74	97	71
2	आंध्र प्रदेश	22,641	1,73,840	32,470	16,520
3	अरुणाचल प्रदेश	151	287	254	430
4	असम	2,323	3,936	6,313	9,247
5	बिहार	3,029	7,153	35,836	22,762
6	चंडीगढ़	229	324	461	257
7	छत्तीसगढ़	1,521	3,454	8,788	9,029
8	दादरा और नागर हवेली तथा दमन और दीव	51	84	142	96
9	दिल्ली	1,915	2,708	4,587	3,310
10	गोवा	477	572	1,265	821
11	गुजरात	3,977	6,636	11,291	8,486
12	हरियाणा	3,168	5,506	8,018	6,864
13	हिमाचल प्रदेश	2,290	3,210	4,284	2,902
14	जम्मू एवं कश्मीर	13,494	19,843	19,284	10,937
15	झारखंड	1,875	3,466	8,985	6,083
16	कर्नाटक	6,219	10,689	52,382	30,347
17	केरल	4,005	7,386	10,753	9,155
18	लद्दाख	68	87	126	77
19	लक्षद्वीप	3	0	1	2
20	मध्य प्रदेश	17,229	10,930	16,894	11,587
21	महाराष्ट्र	5,989	10,713	24,881	17,518
22	मणिपुर	380	739	607	494
23	मेघालय	281	498	651	773
24	मिजोरम	337	462	718	618
25	नागालैंड	542	646	476	408
26	ओडिशा	5,032	7,692	12,867	11,279
27	पुदुचेरी	283	411	822	722
28	पंजाब	3,945	13,136	17,184	10,536
29	राजस्थान	5,084	15,297	15,042	7,518
30	सिक्किम	165	270	418	493
31	तमिलनाडु	10,205	16,571	25,163	27,159
32	तेलंगाना	4,500	7,760	9,779	7,476
33	त्रिपुरा	246	728	1,456	1,390
34	उत्तर प्रदेश	10,678	18,598	69,691	41,621
35	उत्तराखंड	1,539	3,042	4,788	2,435
36	पश्चिम बंगाल	5,307	8,834	19,091	21,741
कुल		1,39,244	3,65,582	4,25,865	3,01,164

ग. वित्तीय वर्ष 2021-22 से वित्तीय वर्ष 2024-25* (दिनांक 30.11.2024 की स्थिति के अनुसार) तक के दौरान महिला कयर योजना के अंतर्गत लाभार्थियों की राज्य-वार संख्या का ब्यौरा:

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	महिला लाभार्थियों की संख्या			
		2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
1	तमिलनाडु	299	200	338	138
2	अंडमान और निकोबार	100	80	60	40
3	कर्नाटक	100	80	100	40
4	गुजरात	100	60	80	0
5	महाराष्ट्र	260	179	200	40
6	गोवा		20	40	0
7	आंध्र प्रदेश	198	79	119	60
8	तेलंगाना	80	20	60	0
9	ओडिशा	157	173	200	100
10	केरल	619	170	410	180
11	लक्षद्वीप	0	0	60	40
12	असम (एनईआर)	320	140	216	80
13	पश्चिम बंगाल	98	100	80	60
	कुल	2331	1301	1963	778

घ. स्कीम के शुभारंभ (दिनांक 28.04.2022) से दिनांक 09.12.2024 तक असम और त्रिपुरा राज्य सहित महिला स्वामित्व वाली जेड प्रमाणित एमएसएमई की कुल राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार और वर्ष-वार संख्या कृपया नीचे देखी जा सकती है:

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	जेड प्रमाणनों की संख्या		
		2022-23	2023-24	2024-25 (दिनांक 9.12.2024 तक)
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	0	0	0
2	आंध्र प्रदेश	4	1466	604
3	अरुणाचल प्रदेश	0	0	0
4	असम	3	522	179
5	बिहार	10	3589	974
6	चंडीगढ़	0	62	4
7	छत्तीसगढ़	1	529	62
8	दिल्ली	6	98	28
9	गोवा	2	1	0
10	गुजरात	5	6708	1949
11	हरियाणा	16	1311	292
12	हिमाचल प्रदेश	9	188	93
13	जम्मू और कश्मीर	0	24	54
14	झारखंड	1	200	20
15	कर्नाटक	76	8789	2143
16	केरल	7	627	164
17	लद्दाख	1	0	1
18	लक्षद्वीप	0	0	0
19	मध्य प्रदेश	2	948	252
20	महाराष्ट्र	61	1762	1034
21	मणिपुर	1	0	1
22	मेघालय	0	0	0
23	मिजोरम	0	0	0
24	नागालैंड	1	0	8
25	ओडिशा	13	261	33
26	पुदुचेरी	2	40	26
27	पंजाब	47	942	404
28	राजस्थान	14	1109	753
29	सिक्किम	0	0	0
30	तमिलनाडु	107	2295	245
31	तेलंगाना	7	401	312
32	दादरा और नागर हवेली तथा दमन और दीव	1	1	19
33	त्रिपुरा	0	11	5
34	उत्तर प्रदेश	18	1160	1011
35	उत्तराखंड	0	70	23
36	पश्चिम बंगाल	14	544	241
	समग्र योग	430	33658	10834